मध्य रेल नागपुर मंडल

# बुलंद

त्रैमासिक ई-सूचना पत्र, अप्रैल-जून 2020

अंक - पहला

# बुलंद त्रैमासिक ई-सूचना पत्र अप्रैल-जून, 2020

## संरक्षक की कलम से.....

विगत कई माह से कोविड-19 इस प्राकृतिक आपदा से न केवल जनजीवन अस्तव्यस्त हुआ परंतु सरकारी कामकाज़ की गति में भी कुछ रूकावटें जरूर महसूस की जा रही थी परंतु नागपुर मंडल के कर्मठ, कर्तव्य दक्ष, कार्य के प्रति समर्पित, टीमवर्क पर विश्वास रखनेवाले अधिकारी एवं कर्मचारियों ने गंभीर स्थिति में भी कार्यालय में आकर तथा घर से भी कोविड-19 के लिए आवश्यक कार्यो को पूरा किया तब महसूस हुआ कि रेल संचालन केवल यातायात का महत्वपूर्ण साधन ही नहीं अपितु समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम भी है। 'बुलंद' का यह त्रैमासिक अंक कोविड-योद्धाओं की एक सचित्र कहानी है।

आशा है 'बुलंद' का यह त्रैमासिक पत्र जो कोविड 19 से सुरक्षा की दृष्टि ई-अंक के रूप में प्रकाशित किया गया है निश्चित रूप से आपको पसंद आएगा।

धन्यवाद।

**सोमेश कुमार**

मंडल रेल प्रबंधक

## कोविड -19 के दौरान जमीनी स्तर के योद्धा

- इस लॉक-डाउन की स्थिति में हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रेनों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए माल ढुलाई और पार्सल यातायात के सुरक्षित संचालन हेतु ट्रैक को बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर ट्रैक मेंटेनर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अभी भी कार्य जारी हैं।

# मंडल की विशेष गतिविधियाँ

## आत्मनिर्भरंता की मिसाल – मास्क तैयार करते रेल कर्मी

➡ लॉकडाउन के दौरान उद्योग तथा फैक्टरियां बंद होने के कारण स्थानीय स्तर पर मास्क की कमी को पूरा करने के लिए मंडल के असंख्य रेल कर्मचारियों ने अपने सहयोगियों और रेलवे कर्मचारियों को मास्क की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु ड्यूटी पर और घरों में मास्क तैयार किए और इनका वितरण फिल्ड पर कार्य करनेवाले कर्मचारियों के बीच किया गया।

## अन्नदान - महादान

➡ कोरोना महामारी के दौरान खानपान के आस्थापना बंद थे इसलिए यात्रियों तथा राहगरों को काफी असुविधा हो रही थी। इस पुनित कार्य में नागपुर मंडल के वाणिज्य विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारियों ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए स्टेशन परिसर के जरूरतमंद लोगों में दवा, फूड पॅकेट्स तथा गाड़ियों में यात्रा करनेवाले यात्रियों को खाद्यपदार्थ तथा पानी का वितरण किया।

## कोविड-19 के दौरान – घरवापसी – श्रमिक स्पेशल ट्रेन

➡ नागपुर तथा आसपास के जिलों में लॉकडाउन के कारण फसें श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने हेतु मध्य रेल, नागपुर मण्डल द्वारा दिनांक 03.05.2020 को शाम

19.30 नागपुर से लखनऊ के लिए विशेष श्रमिक ट्रेन चलाई गई । कुल 977 श्रमिकों की राज्य सरकार द्वारा थर्मल स्क्रीनिंग करके प्रत्येक यात्री को हैण्ड सैनिटाइजेशन की व्यवस्था की गई और सोशल डिस्टन्सिंग को मेंटेन किया गया साथ रेलवे द्वारा यात्रियों को पीने के पानी व खाने की व्यवस्था की गई।

## स्वयंचलित टिकट चेकिंग और प्रबंधन प्रणाली

➡ नागपुर स्टेशन पर कोविड-19 महामारी के सामुदायिक प्रसार को रोकने तथा रेल अर्जन में गैर किराया बढाने के लिए स्वयंचलित टिकट चेकिंग और प्रबंधन (Automatic Ticket checking Management & Access System- ATMA ) आत्मा प्रणाली की स्थापना की गई। इस प्रणाली से स्टेशन पर आगंतुक प्रत्येक टिकट धारी यात्री की थर्मल स्क्रिनिंग की जाएगी और यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि यात्री ने मास्क पहनकर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखी है।

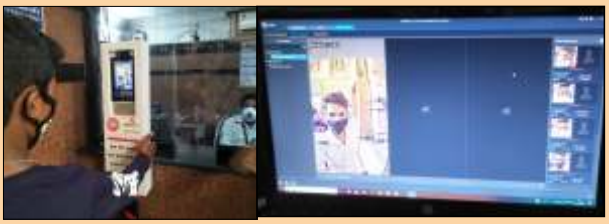

जब तक मातृभाषा की उन्नति न होगी, तब तक संगीत की उन्नति नहीं हो सकती।
- विष्णु दिगंबर

# मंडल की विशेष गतिविधियाँ

## फेसशील्ड का वितरण

- फिल्ड पर कार्यरत ट्रैक मेंटेनर तथा अन्य रेल कर्मचारियों को कोविड-19 महामारी से बचाव करने हेतु मंडल रेल

प्रबंधक महोदय श्री सोमेश कुमार तथा महिंद्रा अण्ड महिंद्रा कंपनी के अधिकारियों की विशेष उपस्थिति में फेसशील्ड का वितरण किया गया।

## खाद्यान्न और किराणा सामग्री का वितरण

- मंडल के इंजीनियरी विभाग द्वारा कोविड-19 महामारी में बेरोजगार हुए आश्रित परिवारों को खाद्यान्न /किराणा सामग्री के पैकेट्स वितरित किए गए।

- मध्य रेल, नागपुर मंडल प्रमोटी ऑफिसर्स असोसिएशन के सचिव तथा पदाधिकारियों ने कोरोना वायरस महामारी में लॉकडाउन में सफाई कर्मचारी तथा उनके परिजनों को खाद्यान्न/किराणा सामग्री के पैकेट्स वितरित किए।

## खाद्यान्न और किराणा सामग्री का वितरण

- नागपुर मंडल, कार्मिक विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारियों के स्वैच्छिक अंशदान राशि से नागपुर रेलवे स्टेशन के आसपास के आवास परिसर में जरूरतमंदों को खाद्यान्न/किराणा सामग्री वितरित की गई।

- नागपुर मंडल के रेल कर्मचारियों ने न केवल शहरी भाग में स्थित आश्रित परिवार बल्कि वर्धा जिले के ग्रामीण भाग में स्थित बोरगांव, उमरी तथा नागठाना आदि गांवों में स्थित जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न तथा नकद राशि से मदद की।

## "काव्य-दर्पण"- एक अभिव्यक्ति" का प्रकाशन

मंडल रेल प्रबंधक श्री सोमेश कुमार के करकमलों से लोको पायलटों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा रचित 65 सारगर्भित कविताओं, चुटकुलों तथा सुविचारों का संग्रह "काव्य-दर्पण"- एक अभिव्यक्ति" का प्रकाशन
किया गया। इस कविता संग्रह के माध्यम से हिंदी का भी प्रचार प्रसार हो इसलिए इसमें राजभाषा हिंदी की जानकारी शामिल की गई है।

# मंडल की विशेष गतिविधियाँ

## इन्नोवेटिव तरीकों की खोज

➡ नागपुर मंडल, यांत्रिक विभाग के कर्मठ रेल कर्मचारियों ने कोरोना वायरस के बचाव हेतु उपलब्ध यांत्रिक सामग्री का

उपयोग करते हुए इन्नोवेटिव तरीकों की खोज करते हुए कुछ नए उपकरण बनाए जैसे वाटर मिस्ट फायर फाइटिंग सिस्टम का डिसइंफेक्शन के तहत इस्तेमाल, आटोमेटिक हैंइसफ्री वाटर एंड सोप डिस्पेंसर, फूल बॉडी डिसइंफेक्शन टनल, आटोमेटिक हैंड-सैनीटाईजर डिस्पेंसर, हैंड्सफ्री आटोमेटिक अल्ट्रावॉयलेट सैनीटाईजेशन बॉक्स इत्यादि की खोज की है।

## कोविड प्रतिबंधक गियर्स एवं बेड रोल वेंडिंग कियोस्क

➡ नागपुर मंडल पर कोविड-19 महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए नागपुर, अजनी, वर्धा, सेवाग्राम, धामनगाँव, चंद्रपुर, बल्हारशाह, बैतूल स्टेशनो पर अब रेल यात्रियों

को कोविड प्रतिबंधक गियर्स एवं बेड रोल वेंडिंग कियोस्क की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमे पीपीई किट, मास्क, फेस शील्ड, हैण्ड ग्लोव्ज, सैनिटाइजर बोतल, बेड रोल, कोविड किट आदि साहित्य उपलब्ध होंगे।

हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य को सर्वांगसुंदर बनाना हमारा कर्त्तव्य है।
- डॉ. राजेंद्रप्रसाद

## "कोरोना वायरस" जनजागृति हेतु नुक्कड नाटक

➡ रेल कार्यालयों, डिपो, कारखानों तथा रेलवे स्टेशनों पर कर्मचारियों तथा नागरिकों को "कोरोना वायरस" से बचाव तथा संक्रमण से बचने हेतु बरती जानेवाली सावधानियों से अवगत कराने हेतु नुक्कड नाटक के माध्यम से जनजागृति की गई।

## विश्व पर्यावरण दिवस

➡ मंडल रेल प्रबंधक श्री सोमेश कुमार की प्रेरणा से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत स्काउट एवं गाइड नागपुर मण्डल द्वारा मण्डल सुरक्षा आयुक्त/जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मण्डल दंत चिकित्सक/जिला आयुक्त (गाइड) के मार्गदर्शन में स्काउट एवं गाइड सदस्यों द्वारा गार्ड लाइन रेल्वे कॉलोनी, स्काउट एवं गाइड डेन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# मंडल की विशेष गतिविधियाँ

## विश्व हिन्दी दिवस

➡ मध्य रेल, नागपुर मंडल ने दिनांक 10 जनवरी, 2020 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय

के समाधान बैठक कक्ष में 12.00 बजे मंडल रेल प्रबंधक श्री सोमेश कुमार की अध्यक्षता में 'विश्व हिन्दी दिवस' संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें व्याख्यान के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सहायक मंत्री डॉ. हेमचन्द्र वैद्य को आमंत्रित किया गया।

## हिंदी साहित्य के महाप्राण 'निराला' की जयंती

➡ मध्य रेल, नागपुर मंडल ने मंडल रेल प्रबंधक श्री सोमेश कुमार की अध्यक्षता में हिंदी साहित्य के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभकार एवं साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी

'निराला' की 124वीं जयंती मनाई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर के हिंदी विभाग की प्रोफेसर डॉ.वीणा दाढे मैडम को आमंत्रित किया गया था।

भाषा के उत्थान में एक भाषा का होना आवश्यक है।
इसलिए हिन्दी सबकी साझा भाषा है। - पं. कृ. रंगनाथ पिल्लयार

## अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह

➡ मध्य रेल, नागपुर मंडल पर दिनांक 08.06.2020 से 13.06.2020 तक अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह मनाया गया। आम नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संपूर्ण मंडल के समपार फाटकों,

स्कूल/ कॉलेजो के विद्यार्थी, ग्राम पंचायत तथा ग्राम सभा, आरटीओ कार्यालय तथा अन्य सार्वजनिक जगहों मे जाकर समपार जागरूकता स्लोगन लिखे हुए कैप, हैण्ड बिल, पोस्टर, पुस्तिका, स्टीकर्स] कैलेण्डर (Calendar) वितरण कर उन्हे समपार फाटक पार करते समय ली जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया।

## महिला समाज सेवा समिति द्वारा महिला रेल कर्मचारी सम्मानित

➡ कोविड-19 के लॉकडाउन के दौरान महिला कर्मचारियों ने सोशल डिस्टन्सिंग का पालन करते हुए अपना कर्तव्य अच्छी तरह निभाने के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए महिला समाज सेवा समिति, नागपुर की अध्यक्षा श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में नागपुर मंडल के सभी विभागों की 13 महिला रेल कर्मचारियों को ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक कार्य संपादन हेतु प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

# विष्णु प्रभाकर

(जन्म : 21 जून, 1912 - मृत्यु : 11 अप्रैल, 2009)

बहुमुखी प्रतिभाशाली संपन्न साहित्यकार श्री विष्णु प्रभाकर कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, रेडियोरूपक, निबंध, बाल साहित्य, लघुकथा के क्षेत्र में तो अन्यतम है ही उन्हें विशिष्ट ख्याति मिली, उनकी कृति 'आवारा मसीहा' के कारण जिसमें उन्होंने बंगला साहित्य शिल्पी शरतचंद्र चटोपाध्याय की जीवनी और कृतित्व के बहुआयामी पक्षों को उद्घाटित किया है।

21 जून, 1912 को मीरापुर मुजफ्फनगर, उ.प्र. में जन्में श्री प्रभाकर जी ने साहित्य का विषय मनुष्य को ही बनाया है। कुछ समय उन्होंने आकाशवाणी में नौकरी की। विष्णु प्रभाकर जी आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र पत्रिकाओं तथा प्रकाशन संबंधी मीडिया के विविध क्षेत्रों में पर्याप्त लोकप्रिय रहे। देश-विदेश की अनेक यात्राएं करनेवाले जीवन पर्यंत पूर्णकालिक मसिजीवी रचनाकार के रूप में साहित्य-साधनारत रहें।

## साहित्य :

विशिष्ट कृतियाँ : 'आवारा मसीहा'- बंगला के देशभर में पढ़े गए विख्यात कथाशिल्पी शरतचंद्र चटर्जी की रोमांचक जीवन-कथा, जो अनेक भाषाओं में अनूदित तथा अनेक सम्मानों से समादृत हुई है।

आत्मकथा : पंखहीन (प्रथम खंड), मुक्त गगन में (द्वितीय खंड) और पंछी उड़ गया (तृतीय खंड)

कहानीसंग्रह : धरती अब भी घूम रही है

नाटक : युगे युगे क्रांति, बंदिनी, होरी ('गोदान' पर आधारित)

संस्मरण : आकाश एक है, समांतर रेखाएं, मेरे संस्मरण

यात्रा : हिमशिखरों की छाया में

बालकथाएं : दो मित्र, क्षमादान, मोती किसके, पाप का घड़ा, हीरे की पहचान, घमंड का फल, तपोवन की कहानियां, गजनंदनलाल के कारनामें

**पुरस्कार** : प्रसिध्द नाटक 'सत्ता के आर-पार' के लिए उन्हें भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा 'मूर्तिदेवी पुरस्कार'

हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा 'शलाका सम्मान' मिला।

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 'गांधी पुरस्कार तथा राजभाषा विभाग बिहार द्वारा

'डॉ. राजेंद्र प्रसाद शिखर सम्मान' से सम्मानित।

सन् 1993 में उन्हें 'अध्दनारेश्वर' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित।

सन् 1995 में महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन' पुरस्कार'।

सन् 2004 में भारत सरकार का 'पद्मभूषण' पुरस्कार से सम्मानित।

# महादेवी वर्मा

(जन्म : 26 मार्च, 1907 - मृत्यु : 11 सितंबर, 1987)

हिंदी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभों में से महादेवी जी सर्वाधिक प्रतिभावान कवयित्रियों में से एक होने के कारण उन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है। कवि निराला ने आपको "हिन्दी के विशाल मन्दिर की सरस्वती भी कहा है। महादेवी ने स्वतंत्रता के पहले का भारत भी देखा और उसके बाद का भी। आप उन कवियों में से एक हैं जिन्होंने व्यापक समाज में काम करते हुए भारत के भीतर विद्यमान हाहाकार, रुदन को देखा, परखा और करुण होकर अन्धकार को दूर करने वाली दृष्टि देने की कोशिश की। न केवल आपका काव्य बल्कि आपके सामाजसुधार के कार्य और महिलाओं के प्रति चेतना भावना भी इस दृष्टि से प्रभावित रहे। आपने मन की पीड़ा को इतने स्नेह और श्रृंगार से सजाया कि दीपशिखा में आप जन-जन की पीड़ा के रूप में स्थापित हुई और आपने केवल पाठकों को ही नहीं समीक्षकों को भी गहराई तक प्रभावित किया।

आपने खड़ी बोली हिन्दी की कविता में उस कोमल शब्दावली का विकास किया जो अभी तक केवल बृजभाषा में ही संभव मानी जाती थी। इसके लिए आपने अपने समय के अनुकूल संस्कृत और बांग्ला के कोमल शब्दों को चुनकर हिन्दी का जामा पहनाया। संगीत की जानकार होने के कारण उनके गीतों का नाद-सौंदर्य और पैनी उक्तियों की व्यंजना शैली अन्यत्र दुर्लभ है। उन्होंने अध्यापन से अपने कार्यजीवन की शुरूआत की और अंतिम समय तक वे प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्रधानाचार्या बनी रहीं।

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में जन्मी महादेवी ने संस्कृत अंग्रेजी संगीत तथा चित्रकला आदि विषयों में शिक्षा प्राप्त की। महादेवी वर्मा के मानस बंधुओं में सुमित्रानंदन पंत एवं निराला का नाम लिया जा सकता है, जो उनसे जीवन पर्यन्त राखी बँधवाते रहे। निराला जी से उनकी अत्यधिक निकटता थी, उनकी पुष्ट कलाइयों में महादेवी जी लगभग चालीस वर्षों तक राखी बाँधती रहीं।

## प्रमुख कृतियां :

कविता संग्रह : नीहार, रश्मि, दीपशिखा, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा, सप्तपर्णा, प्रथम आयाम तथा अग्निरेखा, आत्मिका, परिक्रमा, संधिनी, यामा, गीतपर्व, दीपगीत, स्मारिका, नीलांबरा, और आधुनिक कवि महादेवी आदि.

गद्य साहित्य : रेखाचित्र: अतीत के चलचित्र और स्मृति की रेखाएं, संस्मरण: पथ के साथ, मेरा परिवार और संस्मरण चुने हुए भाषणों का संकलन: संभाषण

निबंध : श्रृंखला की कड़ियां विवेचनात्मक गद्य, साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध, संकल्पिता ललित निबंध: क्षणदा

कहानियाँ : गिल्लू संस्मरण, रेखाचित्र और निबंधों का संग्रह: हिमालय, श्रृंखला की कड़ियाँ, इत्यादि.

बाल साहित्य : ठाकुरजी भोले हैं और आज खरीदेंगे हम ज्वाला.

**पुरस्कार व सम्मान :** मंगलाप्रसाद पारितोषिक, भारत भारती पुरस्कार एवं 'पद्म भूषण' की उपाधि से सम्मानित.

भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा 'मूर्तिदेवी पुरस्कार' प्रदान किया गया।

मध्य रेल नागपुर मंडल
बुलंद

# माखनलाल चतुर्वेदी

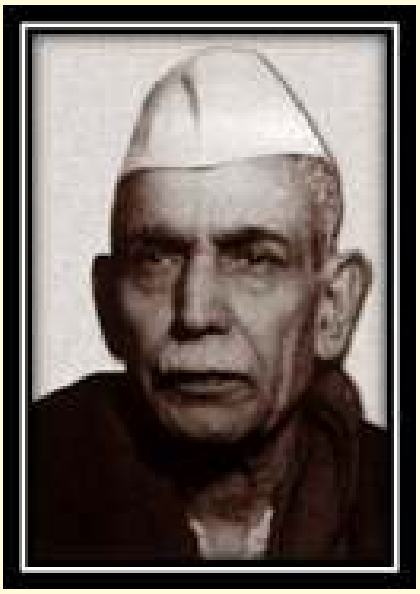

(जन्म : 04 अप्रैल, 1889
मृत्यु : 30 जनवरी, 1968)

सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे हिंदी रचनाकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में बाबई नामक स्थान पर हुआ था। आप कवि, लेखक और पत्रकार रहे है। आपने माँ भारती को ब्रिटीश राज से मुक्त करने के राष्ट्रीय स्वराज आंदोलन में महात्मा गांधी तथा मैथिलीशरण गुप्त जी के साथ सहभागिता की। सन 1920 के असहयोग आंदोलन में महाकौशल से और सन 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोंलन में गिरफ्तारी देनेवाले आप ही थे। प्रभा और कर्मवीर पत्रों के संपादक के रूप में आपने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जोरदार प्रचार किया और नई पीढ़ी का आह्वान किया कि वह गुलामी की जंजीरों को तोड़कर बाहर आए। १९२१-२२के असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए जेल भी गए। आपकी कविताओं में देशप्रेम के साथ साथ प्रकृति और प्रेम का भी चित्रण हुआ है।

आप प्रभा और कर्मवीर जैसे प्रतिष्ठित पत्रों के संपादक के रूप में कार्य किया

## साहित्य सृजन:

काव्य कृतियाँ :

हिमकिरीटिनी, हिम तरंगिणी, युग चरण, समर्पण, मरण ज्वार, माता, वेणु लो गूंजे धरा, बीजुरी काजल ऑंज रही, धूम्र वलय आदि।

गद्यात्मक कृतियाँ :

कृष्णार्जुन युद्ध, साहित्य के देवता, समय के पांव, अमीर इरादे:गरीब इरादे आदि हैं।

## पुरस्कार:

1. 'हिम किरीटिनी' के लिए सन 1943 में हिन्दी साहित्य का सबसे बड़ा 'देव पुरस्कार' प्राप्त हुआ।
2. 'हिमतरंगिनी' के लिए 1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से आपको सम्मानित किया गया।
3. सन 1963 में भारत सरकार ने 'पद्मभूषण' से अलंकृत किया।के लिए उन्हें भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा 'मूर्तिदेवी पुरस्कार' प्रदान किया गया।

**टिप्पणी : कोविड-19 के कारण मार्च का त्रैमासिक अंक प्रकाशित करना संभव नहीं था अत: इस अंक में जनवरी से मार्च 2020 की कुछ गतिविधियां शामिल है- संपादक**

संरक्षक
श्री सोमेश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक
नागपुर

परामर्श
श्री मनोज तिवारी
अपर मंडल रेल प्रबंधक (टेक्नि) एवं
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी
नागपुर

संपादक
श्रीमती पूर्णिमा तलवारे
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, नागपुर

सहयोग
राजभाषा विभाग
नागपुर

मंडल की जानकारी
श्री अनिल वालदे
मुख्य जनसंपर्क निरीक्षक, जनसंपर्क विभाग
नागपुर

रेल कार्यालयों में नि:शुल्क वितरण के लिए